शिव और शंकर में अन्तर

शिव परमात्मा निराकारी ज्योतिस्वरूप है जबकि शंकर सुक्ष्म देहधारी है। शिव का अर्थ कल्याणकारी है जबकि शंकर को विनाशकारी दिखाते है। शिव परमात्मा ब्रह्मा, विष्णु एवम् शंकर के भी रचयिता है, जबकि शंकर एक सुक्ष्म वतनवासी देवता है। शिव की प्रतिमा मन्दिरो में शिवलिंग के रूप में दिखाते है, जबकि शंकर को तपस्वीमूर्त दिखाते है।

74वीं शिवजयन्ती की पदमापदम बधाई

शिवरात्रि व शिवजयन्ती परमात्मा शिव के अवतरण का यादगार है। परमपिता शिव परमात्मा सन् 1937 में पिता श्री ब्रह्मा के मानवीय तन में प्रविष्ट होकर ईश्वरीय ज्ञान और राजयोग की शिक्षा पिछले 73 वर्षो से दे रहे है। इसलिए यह उनकी 74वीं शिव जयन्ती धूम-धाम से मनायी जा रही है। महापर्व शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य जानने के लिए आपको सपरिवार एवम् ईष्ट मित्रों सहित हार्दिक निमन्त्रण है।

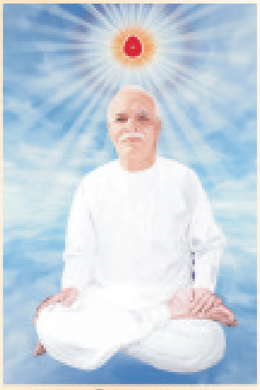

प्रजापिता ब्रह्मा

महाशिवरात्रि महोत्सव कार्यक्रम

परमपिता शिव परमात्मा की मुख्य शिक्षाऐं :

- बदला न लो, स्वयं को बदल कर दिखाओ
- जैसा संग - वैसा रंग, जैसा अन्न - वैसा मन
- सदा खुश रहो और खुशियां बांटते रहो
- बीती बातों का चिन्तन न कर, सकारात्मक चिन्तन करें
- पवित्र बनो - योगी बनो

आयोजक :-

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

मुख्यालय : माउण्ट आबू, राजस्थान